केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

इतिहास

कक्षा XI-XII (2023-24)

(कोड संख्या 027)

विषयसूची

क्र.सं.	विषय सामग्री	पृष्ठ सं.
1	औचित्य	3
2	उद्देश्य	3
	कक्षा-XI	
3	पाठ्यक्रम संरचना	6
4	पाठ्यक्रम सामग्री	7
5	आंतरिक मूल्यांकन – परियोजना कार्य	13
	कक्षा-XII	
7	पाठ्यक्रम संरचना	17
8	पाठ्यक्रम सामग्री	19
9	मानचित्रों की सूची	31
10	आंतरिक मूल्यांकन परियोजना कार्य	32

औचित्य

इतिहास का पाठ्यक्रम छात्रों को ऐतिहासिक मुद्दों, बहसों और विभिन्न स्रोतों के माध्यम से महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं और प्रक्रियाओं से परिचित कराता है। इन विषयों की चर्चा से छात्रों को न केवल घटनाओं और प्रक्रियाओं के बारे में पता चलता है बल्कि इतिहास पढ़ने के लिए प्रेरणा और उत्साह भी मिलता है। हालांकि, व्यावहारिक तौर पर अगर देखा जाए तो अधिगम उद्देश्यों को साकार किया गया है या नहीं, यह अधिगम परिणामों के माध्यम से सुनिश्चित किया जा सकता है। इन परिणामों को अधिगम उद्देश्यों के सम्मुख एक एक करके उल्लेखित गया है ताकि शिक्षक और उनके छात्र विभिन्न प्रकार की रचनात्मक रणनीतियों और क्षमता-आधारित मूल्यांकन तकनीकों को अपना सकें। यह भी समझना होगा कि अधिगम उद्देश्य और उनके परिणाम अनिवार्य रूप से जुड़े हुए हैं और एक दूसरे के पूरक हैं।

उद्देश्य और लक्ष्य

इतिहास हमें अतीत में समस्याओं का विश्लेषण और व्याख्या करने का एक माध्यम है। यह हमें उन प्रतिमानों को समझने में मदद करता है जिनको वर्तमान में समझना आसान नहीं है । यह वर्तमान और भविष्य की समस्याओं को समझने और हल करने के लिए एक महत्वपूर्ण परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

मानव अनुभव की विविधता का अध्ययन करने से हमें संस्कृतियों, विचारों और परंपराओं की सराहना करने और उन्हें विशिष्ट समय और स्थान के सार्थक परिणामों के रूप में पहचानने में मदद मिलती है। इतिहास हमें यह समझने में मदद करता है कि हमारा जीवन हमारे पूर्वजों के जीवन से कितना अलग है, फिर भी हम अपने लक्ष्यों और मूल्यों में कितने समान हैं। अतीत में निहित अनुभवों के आधार पर हमें यह ज्ञान हो सकता है कि किसी प्रयास, कारण, घटना या परिस्थिति का क्या परिणाम होगा। इस प्रकार के अनुभव को प्राप्त करके हम अपनी वर्तमान समस्याओं, परिस्थितियों, प्रगति या विफलताओं के परिप्रेक्ष्य में भी यह आकलन कर सकते हैं कि भविष्य में इनके परिणाम या प्रभाव क्या होंगे ।अतीत से सबक लेकर हम न केवल अपने बारे में सीखते हैं बल्कि गलतियों से बचने और अपने समाज के लिए बेहतर रास्ते बनाने की क्षमता को भी विकसित करते हैं।

यह पाठ्यक्रम इस बात पर बल देता है कि इतिहास एक महत्वपूर्ण विषय है, एक शोध की प्रक्रिया है, अतीत के बारे में जानने का एक तरीका है, न कि केवल तथ्यों का संग्रह। यह पाठ्यक्रम उस प्रक्रिया को समझने में मदद करेगा जिसके माध्यम से इतिहासकार विभिन्न प्रकार के साक्ष्यों को चुनकर और इकट्ठा करके और उनके स्रोतों को आलोचनात्मक रूप से पढ़कर इतिहास लिखते हैं। इस विषय के माध्यम से देखेंगे कि इतिहासकार अतीत की ओर ले जाने वाले मार्गों का अनुसरण कैसे करते हैं और ऐतिहासिक ज्ञान कैसे विकसित होता है। इसके अन्तर्गत विद्यार्थी ऐतिहासिक घटनाओं से सम्बन्धित तथ्यों, धारणाओं, सिद्धान्तों, गतिविधियों, चित्रों, मानचित्रों एवं रेखाचित्रों का ज्ञान कर सकते हैं। इतिहास अध्ययन से आलोचनात्मक व सृजनात्मक चिंतन का विकास कर सकेगा। भूतकाल तथा वर्तमान के आधार पर भविष्य के आंकलन की क्षमता का विकास करना।

विभिन्न समस्याओं हेतु लेख लिखने तथा व्यावहारिक दृष्टि से समस्याओं के समाधान से हेतु प्रयास करने में रुचि उत्पन्न करेगा तथा तथ्यों की दृष्टि से ज्ञान सम्पन्न करेगा । पाठ्यक्रम छात्रों को विभिन्न स्थितियों में विकास को संग्रहीत/ संबंधित/ तुलना करने, विभिन्न समयावधियों में स्थित समान प्रक्रियाओं के बीच संबंधों का विश्लेषण करने और इतिहास और सम्बंधित विषयों के बीच संबंधों की समझने में भी हमे सक्षम करेगा।

कक्षा-XI में विषय

ग्यारहवीं कक्षा का पाठ्यक्रम विश्व इतिहास के कुछ प्रमुख विषयों के आसपास आयोजित किया गया है।

1. विभिन्न क्षेत्रों-राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक में कुछ महत्वपूर्ण विकासों पर ध्यान दिया गया है ।
2. न केवल विकास-शहरीकरण, औद्योगीकरण और आधुनिकीकरण-के भव्य आख्यानों का अध्ययन बल्कि विस्थापन और हाशियाकरण की प्रक्रियाओं के बारे में भी विवेचन किया गया है ।

इन विषयों के अध्ययन के माध्यम से छात्र व्यापक ऐतिहासिक प्रक्रियाओं की समझ के साथ-साथ उनके आसपास की विशिष्ट बहसों का एक विचार प्राप्त कर सकेंगे ।

ग्यारहवीं कक्षा में प्रत्येक विषय की चर्चा में उस विषय का सिंहावलोकन, अध्ययन के क्षेत्र पर विस्तृत चिन्तन और उसके आंकलन और उनसे जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों का परिचय शामिल होगा।

कई विषयों में विभिन्न पहलुओं पर चर्चाये होंगी जिससे यह प्रतीत होगा कि कैसे इतिहासकार लगातार पुराने मुद्दों पर पुनर्विचार करते हैं।

कक्षा XII में विषय

बारहवीं कक्षा में प्राचीन, मध्ययुगीन और आधुनिक भारतीय इतिहास में कुछ विषयों के विस्तृत अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा I हालांकि पारंपरिक रूप से प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक कहे जाने वाले के बीच के अंतर को कम करने का प्रयास किया गया है। इसका उद्देश्य भारतीय इतिहास के संपूर्ण कालानुक्रमिक काल का सर्वेक्षण करने के बजाय इन विषयों के एक समूह का कुछ विस्तार और गहराई से अध्ययन करना होगा। इस अर्थ में पाठ्यक्रम उस ज्ञान पर बनाया जाएगा जो छात्रों ने पिछली कक्षाओं में अर्जित किया है।

बारहवीं कक्षा में प्रत्येक विषय, इतिहास के अध्ययन के लिए छात्रों को एक प्रकार के स्रोत से भी परिचित कराएगा। इस तरह के अध्ययन के माध्यम से, छात्र यह देखना शुरू कर देंगे कि विभिन्न प्रकार के स्रोत क्या प्रकट कर सकते हैं और क्या नहीं बता सकते। उन्हें पता चलेगा कि इतिहासकार इन स्रोतों का विश्लेषण कैसे करते हैं, प्रत्येक प्रकार के स्रोत की व्याख्या करने की समस्याएं और कठिनाइयाँ, और विभिन्न प्रकार के स्रोतों को देखकर किसी घटना, ऐतिहासिक प्रक्रिया या ऐतिहासिक आकृति की एक बड़ी तस्वीर कैसे बनाई जाती है। पाठ्यक्रम यह जानने में सक्षम बनाता है कि इतिहास एक महत्वपूर्ण अनुशासित जांच-प्रक्रिया है जो अतीत के बारे में जानने का एक तरीका है जिसके माध्यम से एक इतिहासकार इतिहास लिखने के लिए विभिन्न प्रकार के साक्ष्य एकत्र करके जांचता तथा इनका संग्रह करता है।.

बारहवीं कक्षा के लिए प्रत्येक विषय चार उप शीर्षकों के आसपास आयोजित किया जाएगा:

1. चर्चा के तहत घटनाओं, मुद्दों और प्रक्रियाओं का विस्तृत अवलोकन

2. विषय पर शोध की वर्तमान स्थिति का सारांश
3. विषय के बारे में ज्ञान कैसे प्राप्त किया गया है तथा इसका विवरण
4. विषय से संबंधित एक प्राथमिक स्रोत से एक अंश, यह बताते हुए कि इसे इतिहासकारों ने इसे कैसे कहा है।

दोनों कक्षाओं (ग्यारहवीं और बारहवीं) में विषयों को एक व्यापक कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित किया गया है, उनके बीच अधिव्यापन हैं। इसका उद्देश्य इस भावना को व्यक्त करना है कि कालानुक्रमिक विभाजन और आवधिकता हमेशा एक ही तरीके से संचालित नहीं होती है। पाठ्य पुस्तकों में प्रत्येक विषय एक विशिष्ट समय और स्थान में स्थित होगा लेकिन उसकी चर्चाएँ व्यापक संदर्भ में की जायेंगी I

- विशिष्ट घटना को समय-सीमा के भीतर प्लॉट करना।
- अन्य स्थानों और अन्य समय में विकास के संबंध में विशेष घटना या प्रक्रिया पर चर्चा करना।

कक्षा XI
पाठ्यक्रम संरचना

एक-सिद्धांत पेपर
समय: 3 घंटे **अंक: 80**

अनुभाग शीर्षक	विषय शीर्षक सं.	विषय	कालावधियों की संख्या	अंक
विश्व इतिहास का अध्यन		विश्व इतिहास का परिचय 6 मिलियन वर्ष पूर्व से 1 ईसा पूर्व	10	
प्रारंभिक समाज				
		परिचय - समयरेखा I (6 मिलियन वर्ष पूर्व से 1 ईसा पूर्व)	5	
	1	समय की शुरुआत से	हटाया गया	
.	2	लेखन कला और शहरी जीवन	20	10
साम्राज्य		परिचय समयरेखा II (सी। 100 ईसा पूर्व से 1300 सीई)	5	
	3	तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य	20	10
	4	इस्लाम का उदय और विस्तार	हटाया गया	
.	5	यायावर साम्राज्य	20	10
बदलती परंपराएं		परिचय समयरेखा III 05 (सी. 1300 से 1700)	5	
	6	तीन वर्ग	20	10
	7	बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं	20	10

	8	संस्कृतियों का टकराव	हटाया गया	
आधुनिकीकरण की ओर				
.	9	औद्योगिक क्रांति	हटाया गया	
		परिचय समयरेखा IV (सी. 1700 से 2000	5	
.	10	मूल निवासियों का विस्थापन	**20**	10
.	11	आधुनिकीकरण के रास्ते	**20**	15
.		संबंधित विषयों का मानचित्र कार्य	**15**	5
		कुल		80
		परियोजना कार्य	**25**	20
		योग	**210**	**100 अंक**

इतिहास (कोड संख्या 027) पाठ्यक्रम सामग्री 2023-24
कक्षा XI : विश्व इतिहास में विषय

	विषय	अधिगम उद्देश्य	शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया	अधिगम परिणाम
	समयरेखा (6 मिलियन से 1 ईसा पूर्व	प्रारंभिक समाजों के बारे में जानकारी देना	कालक्रम का उपयोग	कालक्रम की अवधारणा को समझना
खंड 1 आरम्भिक समाज	अध्याय -1 समय की शुरुआत से	हटाया गया		
	अध्याय-2 लेखन कला और शहरी	• शिक्षार्थी को प्रारंभिक शहरी केंद्रों की प्रकृति से परिचित कराना।	समकालीन सभ्यताओं को समझने के लिए शहरी जीवन और	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:**

	जीवन फोकस: इराक, तीसरी सहस्राब्दी ईसा पूर्व क) कस्बों का विकास ख) प्रारंभिक शहरी समाजों की प्रकृति ग) लेखन कला के उपयोग पर इतिहासकारों की बहस	• चर्चा करना कि क्या लेखन कला सभ्यता के सूचक के रूप में महत्वपूर्ण है।	संस्कृति की तालिका लेखन, सभ्यता का एक महत्वपूर्ण पहलू। तुलनात्मक विश्लेषण प्रशनावली सामूहिक चर्चा आशु- भाषण तस्वीरे	मानव विकास के असंख्य क्षेत्रों को समझने के लिए नवपाषाण काल से कांस्य युग की सभ्यता में रूपांतरण की तुलना और विश्लेषण करने में। • शहरी जीवन और समकालीन सभ्यताओं की संस्कृति के बीच संबंध को समझने के लिए सभ्यता के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को स्पष्ट करने में । • लेखन कला की सतत परंपरा के परिणामों का विश्लेषण करने में ।
	समयरेखा II (C.100 BCE TO 1300 CE)	**साम्राज्यों का काल का परिचय**	**प्रश्नोतरी और समयरेखा चर्चा**	**समय के क्रम में अवधियों को समझना**
	अध्याय-3 **महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य** **फोकस:** रोमन साम्राज्य, 27 ईसा पूर्व से 600 सीई (क) राजनीतिक विकास (ख) आर्थिक विस्तार (ग) धर्म-संस्कृति नींव (घ)गत पुरावशेष (ड़)दासता की संस्था पर इतिहासकारों का दृष्टिकोण	• शिक्षार्थी को एक प्रमुख विश्व साम्राज्य के इतिहास से परिचित कराना • चर्चा करना कि क्या अर्थव्यवस्था में दासता एक महत्वपूर्ण तत्व था।	मानचित्रो के द्वारा राजनीतिक इतिहास की समझ और चित्रण वादविवाद दासता के विषय पर समूह चर्चा प्रश्नावली रणनीति तुलनात्मक अध्ययन उस युग में सांस्कृतिक बदलाव पर प्रवाह चार्ट	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • उनकी राजनीति, अर्थव्यवस्था, समाज और संस्कृति को समझने के लिए रोमन साम्राज्य की गतिशीलता का वर्णन करने और संबंध स्थापित करने में। • उपमहाद्वीप साम्राज्यों के साथ रोमन के संपर्कों के निहितार्थों का विश्लेषण करने में। • उस अवधि में सांस्कृतिक रूपांतरण के क्षेत्रों का परीक्षण करने में।
	अध्याय -4	**हटाया गया**		

	इस्लाम का उदय और विस्तार			
	अध्याय-5	• शिक्षार्थी को यायावर समाज के विभिन्न प्रकारों और उनकी संस्थाओं से परिचित कराना। • चर्चा करना कि क्या यायावर समाजों में राज्य का गठन संभव है।	पशुचारी समाज पर अध्ययन और चर्चा चंगेज खान फिल्म मंगोलियन लोगों का परिप्रेक्ष्य और दुनिया की चंगेजखान पर चर्चा स्त्रोतों का अध्ययन	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • यायावर पशुचारी समाज के रहन-सहन के स्वरूप की पहचान करने में । • चंगेज खान को एक समुद्री शासक के रूप में समझने के लिए उसके उत्थान और विकास का पता लगाने में । • चंगेज खान के वंशजों की काल के दौरान सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों का विश्लेषण करने। • मंगोलियाई लोगों के परिप्रेक्ष्य और चंगेज खान के बारे में दुनिया की राय के बीच अंतर करने में।
	अध्याय -6 **समय रेखा III** (C. 1300 TO 1700) **तीन वर्ग ।** **फोकस:** पश्चिमी यूरोप 13वीं–16वीं शताब्दी क) सामंती समाज और अर्थव्यवस्था ख) राज्य का गठन ग) चर्च और समाज घ) सामंतवाद के पतन पर	• शिक्षार्थी को इस अवधि की अर्थव्यवस्था और समाज की प्रकृति और उनमें होने वाले परिवर्तनों से परिचित कराना। • दर्शाना कि सामंतवाद के पतन पर चर्चा संक्रमण की प्रक्रियाओं को समझने में कैसे मदद करती है।	ऐतिहासिक सामंतवाद पर • चर्चा पर का प्रभाव सामंतवाद • सामन्तवाद के प्रभाव पर चर्चाएं वाद विवाद पुस्तकालय अध्ययन दृश्य सामग्री	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे :** • समाज के प्रथम,द्वितीय,तृतीय और चतुर्थ वर्ग के विशेष संदर्भ में सामंतवाद के असंख्य पहलुओं का वर्णन करने । • प्राचीन गुलामी और दासता के बीच संबंध रखने में। • 14वीं सदी के संकट और राष्ट्र राज्यों के उदय का आकलन करने में

	इतिहासकारों के विचार			
	अध्याय-7 **बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं** फोकस: यूरोप 14वीं-17वीं शताब्दी क) साहित्य और कला में नए विचार और नए रुझान ख) पहले के विचारों के साथ संबंध ग) पश्चिम एशिया का योगदान घ) 'यूरोपीय पुनर्जागरण' धारणा की वैधता पर इतिहासकारों का दृष्टिकोण	• काल में बौद्धिक प्रवृत्तियों का अन्वेषण करना। • छात्रों को उस काल के चित्रों और इमारतों से परिचित कराना। • 'पुनर्जागरण' के विचार के इर्द-गिर्द बहस का परिचय देना ।	• तस्वीरें और वीडियो से बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराओं की घटनाएं और इसके प्रभाव • वास्तु और साहित्यिक विकासवाद पर शोध और अध्ययन यात्रा • इस अवधि के दौरांन महिलाओं के जीवन का तुलनात्मक ग्राफिक चार्ट • इसके दौरान नवीन प्रोटेस्टेंट धर्म के प्रसार से चिंतित होकर कैथोलिक धर्म 'प्रतिवादी धर्म-सुधार पर सामूहिक चर्चा	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे** • पुनर्जागरण, सुधार, वैज्ञानिक क्रांति और अन्वेषण के युग के कारणों, घटनाओं और प्रभावों का विश्लेषण करने। • पुनर्जागरण मानवतावाद और यथार्थवाद की विशेषताओं को समझने के लिए इतालवी शहरों के विभिन्न पहलुओं से संबंध रखने में • काल में महिलाओं की स्थिति की तुलना और अंतर करने में । • पुनर्जागरण के पहलुओं को समझने के लिए स्थापत्य, कलात्मक और साहित्यिक विकास पर प्रमुख प्रभावों को पहचानने में । • मार्टिन लूथर और इरास्मस द्वारा रोमन कैथोलिक चर्च का आलोचनात्मक विश्लेषण और बाद के सुधारों पर उनका प्रभाव। • काउंटर और कैथोलिक सुधार के रूप में प्रोटेस्टेंट सुधार के लिए रोमन कैथोलिक चर्च की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने में।
	अध्याय 8 **संस्कृतियों का टकराव**	**हटाया गया**		

	समयरेखा (सी. 1700 से 2000)	आधुनिकीकरण का समझना और आंकलन करना	समयरेख और कालक्रम का उपयोग	कालानुक्रमिक समझ
	अध्याय 9 **औद्योगिक क्रांति**	**हटाया गया**		**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे** • अमेरिका के मूल निवासियों की दशा को समझने के लिए उनके इतिहास के कुछ पहलुओं को याद करने । • ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में यूरोपीय लोगों के बसने के क्षेत्रों का विश्लेषण करने हेतु1 • इन महाद्वीपों में मूल निवासियों के जीवन और भूमिकाओं की तुलना और अंतर करने हेतु
आधुनिकीकरण के रास्ते	**अध्याय 10** **मूल निवासियों का विस्थापन**	अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के विकास के साथ जुड़ी विस्थापन की प्रक्रियाओं के प्रति छात्रों को संवेदनशील बनाना। • विस्थापित आबादी के लिए ऐसी प्रक्रियाओं के निहितार्थ परिणामो की समझ • विस्थापित आबादी के कारणों और समाज पर इसके प्रभाव का कारण बताएं	मानचित्र और तथ्य पत्रक की सहायता से मूल निवासियों के विस्थापन पर सामूहिक चर्चा वाद विवाद प्रतियोगिता मानचित्र तसवीरें और चार्ट के साथ घटनाओं पर विवेचन	अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की स्थिति को समझने के लिए उनके इतिहास के कुछ पहलुओं को याद करें। • ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका में यूरोपीय लोगों के बसने के दायरे का विश्लेषण करने के लिए। • इन महाद्वीपों में लोगों के जीवन और भूमिकाओं की तुलना करें और इसके विपरीत करें
	अध्याय-11 **आधुनिकीकरण के रास्ते**	• छात्रों को जागरूक करना कि आधुनिक दुनिया में रूपांतरण कई अलग-अलग रूप लेता है।	टीएलपी विधि प्रश्न पूछना	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे** • साम्राज्यवाद के दौर से आधुनिकीकरण

	(नोट- विषय के महत्व को ध्यान में रखते हुए अर्थात जापान, चीन और कोरिया; यह सलाह दी जाती है कि सभी को स्कूलों में पढ़ाया जाना चाहिए)	• दर्शाना कि किस प्रकार 'आधुनिकीकरण' जैसी धारणाओं का समालोचनात्मक मूल्यांकन करने की आवश्यकता है।	वाद विवाद प्रितियोगिता ग्राफिक आयोजक तस्वीरे	तक चीन और जापान के इतिहास के परिणाम निकालने • मेंजी रेस्टोरेशन (बहाली) से पहले और बाद में जापानी राजनीतिक, सांस्कृतिक और आर्थिक व्यवस्था का अन्वेषण करने। • द्वितीय विश्व युद्ध से पहले और बाद में जापानी राष्ट्रवाद के अधिकार क्षेत्रों का विश्लेषण करने हेतु। • साम्यवाद के युग को समझने के लिए डॉ सन येत सेन से लेकर माओ ज़े डोंग तक चीन में राष्ट्रवादी उत्थान का सार प्रस्तुत करने हेतु । • कठोर साम्यवाद से उदार समाजवाद में रूपांतरण को समझने के लिए देंग जिओ पिंग और झोउ एन लाई के तहत आधुनिकीकरण के चीनी मार्ग का विश्लेषण करने के लिए।
	संबंधित विषयों पर मानचित्र			

इतिहास -027
कक्षा XI (2023-24)
परियोजना कार्य

परियोजना कार्य **अधिकतम अंक -20**

परिचय

इतिहास स्कूली शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है। यह अतीत का अध्ययन है, जो हमें अपने वर्तमान को समझने और हमारे भविष्य को आकार देने में मदद करता है। यह सभी संस्कृतियों में व्यापक और गहराई से ऐतिहासिक ज्ञान के अधिग्रहण और समझ को बढ़ावा देता है। वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में इतिहास का पाठ्यक्रम छात्रों को यह जानने में सक्षम बनाता है कि इतिहास एक महत्वपूर्ण अनुशासन है, जांच की एक प्रक्रिया है, अतीत के बारे में जानने का एक तरीका है न कि केवल तथ्यों का संग्रह। पाठ्यक्रम उन्हें उस प्रक्रिया को समझने में मदद करता है, जिसके माध्यम से एक इतिहासकार इतिहास लिखने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रमाण एकत्र करता है, चुनता है, जांचता है और इकट्ठा करता है।

ग्यारहवीं कक्षा में पाठ्यक्रम विश्व इतिहास में कुछ प्रमुख विषयों के आसपास व्यवस्थित किया गया है। बारहवीं कक्षा में फोकस प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास के कुछ विषयों के विस्तृत अध्ययन पर शिफ्ट हो जाता है। सीबीएसई ने कक्षा में नियमित अध्ययन के एक भाग के रूप में 2013-14 में कक्षा XI और XII के लिए इतिहास में परियोजना कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है, क्योंकि परियोजना कार्य छात्रों को उच्च ज्ञानात्मक कोशल विकसित करने का अवसर देता है। यह छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से परे एक जीवनकाल की ओर ले जाता है और उन्हें सामग्री का उल्लेख करने, जानकारी एकत्र करने, प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका आगे विश्लेषण करने और यह तय करने के लिए एक मंच प्रदान करता है कि क्या रखा जाए और इसलिए समझना कि इतिहास का निर्माण कैसे किया जाता है।

उद्देश्य

परियोजना कार्य से छात्रों को मदद मिलेगी:

- विभिन्न स्रोतों से डेटा एकत्र करने, विविध दृष्टिकोणों की जांच करने और तार्किक नतीजे पर पहुंचने के लिए कौशल विकसित करना।
- ऐतिहासिक प्रमाण को समझने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने, मूल्यांकन करने और ऐतिहासिक प्रमाण की सीमा को समझने के लिए कौशल विकसित करना।
- समन्वय, आत्म-निर्देशन और समय प्रबंधन के 21वीं सदी के प्रबंधकीय कौशल का विकास करना ।
- विविध संस्कृतियों, नस्लों, धर्मों और जीवन शैली पर कार्य करना सीखना।

- रचनावाद – अवलोकन और वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित एक सिद्धांत के माध्यम से सीखना ।
- अन्वेषण और अनुसंधान की भावना पैदा करना।
- विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हुए डेटा को सबसे उपयुक्त रूप में संप्रेषित करना।
- अंतःक्रिया और अन्वेषण के लिए अधिक अवसर प्रदान करना ।
- हमारे अतीत के संदर्भ में समकालीन मुद्दों को समझने के लिए।
- एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य और एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने के लिए।
- जो सुविज्ञ, बुद्धिमान और स्वतंत्र विकल्प बनाने में सक्षम देखभाल करने वाले, संवेदनशील व्यक्तियों के रूप में विकसित होने के लिए ।
- इतिहास विषय में स्थायी रुचि विकसित करने के लिए ।

शिक्षकों के लिए दिशानिर्देश

यह अनुभाग शिक्षकों को इतिहास में परियोजनाओं को शुरू करने के लिए कुछ बुनियादी दिशानिर्देश प्रदान करता है। छात्रों को प्रोजेक्ट सौंपते समय बातचीत करना, सहयोग देना, मार्गदर्शन करना, सुविधा और प्रोत्साहन देना बहुत आवश्यक है।

- शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परियोजना कार्य छात्रों को व्यक्तिगत रूप से / समूह में सौंपा गया है और विषय देने, मसौदा समीक्षा से लेकर अंतिम रूप देने तक विभिन्न चरणों में चर्चा की जाती है।
- छात्रों को प्रासंगिक सामग्री उपलब्ध कराने, वेबसाइटों का सुझाव देने, अभिलेखागार, ऐतिहासिक स्थलों आदि के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के मामले में सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।
- ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में परियोजना कार्य अप्रैल से नवंबर तक उपयुक्त समय पर होना चाहिए ताकि छात्र अंतिम परीक्षा की तैयारी कर सकें।
- शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्र मूल कार्य प्रस्तुत करें। परियोजना रिपोर्ट केवल **हस्तलिखित** होनी चाहिए। (विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का उपयोग किया जा सकता है)

निम्नलिखित सुझाव

1. शिक्षक को 15-20 परियोजनाओं की एक सूची डिजाईन और तैयार करनी चाहिए और छात्र को उसकी रुचि के अनुसार एक परियोजना चुनने का विकल्प देना चाहिए।

2. परियोजना व्यक्तिगत रूप से/ समूहों में की जानी चाहिए।
3. पुनरावृत्ति से बचने के लिए कक्षा में छात्रों के साथ चर्चा के बाद विषय आवंटित किया जाना चाहिए और फिर मसौदा/अंतिम परियोजना कार्य जमा करने के प्रत्येक चरण में चर्चा की जानी चाहिए।
4. शिक्षक को एक सहायक की भूमिका निभानी चाहिए और परियोजना के पूरा होने की प्रक्रिया का बारीकी से पर्यवेक्षण करना चाहिए, और विषय सामग्री को समृद्ध करने के लिए आवश्यक इनपुट, संसाधन आदि प्रदान करके बच्चों का मार्गदर्शन करना चाहिए।
5. परियोजना कार्य को शिक्षार्थियों में ज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा डोमेन को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी मूल्यांकन, और परियोजना आधारित और अन्वेषण-आधारित अधिगम में बच्चे की प्रगति शामिल होगी। शिक्षक मूल्यांकन के साथ कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज़, रोल प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि। (एनईपी-2020) परियोजना कार्य पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन/ प्रदर्शनी/ स्किट/ एल्बम/ फाइल्स/ गीत और नृत्य या कल्चर शो/ स्टोरी टेलिंग/ डिबेट/ पैनल डिस्कशन, पेपर प्रेजेंटेशन और जो भी दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त हो, के रूप में समाप्त किया जा सकता है।
6. छात्र शहर के अभिलेखागार में उपलब्ध प्राथमिक स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं, प्राथमिक स्रोतों में समाचार पत्र की कटिंग, फोटोग्राफ, फिल्म फुटेज और रिकॉर्ड किए गए लिखित/ भाषण भी शामिल हो सकते हैं। उचित प्रमाणीकरण के बाद दुसरे स्रोतों का भी उपयोग किया जा सकता है।
7. कक्षा XII में बोर्ड द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक और कक्षा XI में आंतरिक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट: परियोजना रिपोर्ट को, सीबीएसई द्वारा जांच के लिए, अंतिम परिणाम घोषित होने तक स्कूल द्वारा संरक्षित किया जाना है।

ग्यारहवीं कक्षा की परियोजनाओं के लिए कुछ महत्वपूर्ण विषय

1. सोलहवीं-अठारहवीं शताब्दी में औद्योगीकरण के पहलू।
2. धर्मयुद्ध: कारण; तर्क; घटनाएँ; परिणाम; पवित्र गठबंधन
3. प्राचीन इतिहास गहराई में: मेसोपोटामिया
4. ग्रीक फिलॉसफी और शहर राज्य
5. रोमन सभ्यता का योगदान
6. पुनर्जागरण की भावना: कला में अभिव्यक्ति; साहित्य; मूर्ति; व्यापारिक समुदाय पर प्रभाव; सामाजिक ताना - बाना; दर्शन; राजनीतिक मूल्य; तर्कसंगत चिंतन;

अस्तित्ववाद

7. विकास के पहलू-दक्षिण अमेरिकी राज्य/मध्य अमेरिकी राज्य
8. विचारों की विभिन्न पाठशालाएं - यथार्थवाद: मानवतावाद: स्वच्छंदतावाद
9. चंगेज खान के अतीत को एक साथ जोड़ना
10. प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक दुनिया में दासता के असंख्य क्षेत्र
11. आदिवासियों का इतिहास – अमेरिका/ ऑस्ट्रेलिया
12. आधुनिकीकरण के पहलू - चीन/ जापान/ कोरिया

(संबंधित विषयों के साथ छात्रों के अधिगम को बढ़ाने में परियोजनाएं एक अनिवार्य घटक हैं। शोध परियोजना में, छात्र पाठ्यपुस्तक से परे जा सकते हैं और ज्ञान की दुनिया का पता लगा सकते हैं। वे अंतःस्थापित विषयों के तहत परिकल्पना कर सकते हैं। शीर्षकों के प्रकार एक महत्वपूर्ण पहलू हैं और अवधारणा की स्पष्ट समझ और मूल्यांकन के लिए कक्षा में ही चर्चा की जानी चाहिए।)

नोट: कृपया संपूर्ण दिशा-निर्देशों के लिए परिपत्र संख्या Acad.16/2013 दिनांक 17.04.2013 देखें

पाठ्यक्रम(कोर्स) संरचना
कक्षा XII (2023-24)

एक सिद्धांत पेपर
अधिकतम अंक-80 **समय : 3 घंटे**

विषय	कालावधियां	अंक
भारतीय इतिहास में विषय भाग - I		**25**
विषय 1 ईंटें, मनके और अस्थियाँ	15	**5**
विषय 2 राजा, किसान और नगर (c.600 BCE600 CE)	15	**5**
विषय 3 बंधुत्व, जाति और वर्ग (c.600 BCE600 CE)	15	**10**
विषय 4 विचारक, विश्वास और इमारतें (c.600 BCE600 CE)	15	**5**
भारतीय इतिहास में विषय भाग - II		**25**
विषय 5 यात्रियों के नजरिये से (दसवीं से सत्रहवीं शताब्दी)	15	5
विषय 6 भक्ति - सूफी परंपराएँ आठवीं से अठारहवीं शताब्दी)	15	5
विषय 7 एक साम्राज्य की राजधानी : विजय नगर (चौदहवीं से सोलहवीं शताब्दी)	15	5
विषय 8 किसान, जमींदार और राज्य (सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी)	15	10
विषय 9 राजा और इतिहास मुगल दरबार	**हटाया गया**	

भारतीय इतिहास में विषय भाग - III		**25**
विषय 10 उपनिवेशवाद और देहात	15	5
विषय 11 विद्रोही और राज	15	5
विषय 12 औपनिवेशिक शहर: शहरीकरण, योजना और वास्तुकला	**हटाया गया**	
विषय 13 महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन	15	10
विषय 14 विभाजन को समझना राजनीति, स्मृति, अनुभव	**हटाया गया**	
विषय 15 संविधान का निर्माण	15	5
सम्बंधित विषयों का नक्शा कार्य शामिल करना	15	**5**
कुल		**80**
परियोजना कार्य	**25**	**20**
योग	**220**	**100**

इतिहास (कोड संख्या 027)
पाठ्यक्रम सामग्री 2023-24

कक्षा XII: भारतीय इतिहास में विषय			
विषय	**अधिगम उद्देश्य**	**शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया**	**अधिगम परिणाम**
भाग–1 **ईंटें, मनके और अस्थियाँ हड़प्पा सभ्यता: व्यापक सिंहावलोकन:** प्रारंभिक शहरी केंद्र **खोज की कहानी:** हड़प्पा सभ्यता **उद्धरण:** प्रमुख स्थल पर पुरातत्व रिपोर्ट **चर्चा:** पुरातत्वविदों/ इतिहासकारों द्वारा इसका उपयोग कैसे किया गया है	• शिक्षार्थी को प्रारंभिक शहरी केंद्रों से आर्थिक और सामाजिक संस्था के रूप में परिचित कराना। • उन तरीकों का परिचय देना जिनसे नए डेटा इतिहास की मौजूदा धारणाओं में संशोधन करने के लिए मार्गदर्शन कर सकते हैं।	प्रश्नावली और खोज आधारित उदाहरणों के माध्यम से इस विषय का अध्ययन पुरातात्विक अन्वेषण के के साथ व्याख्या चित्र चार्ट और मानचित्र के उपयोग से शहरी केन्द्रों के विकास की समझ	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • विश्व की प्रथम सभ्यता को समझने के लिए हड़प्पा सभ्यता के बहुपक्षीय पहलुओं का वर्णन करने और उनका अनुमान लगाने में। • हड़प्पा के सामाजिक–आर्थिक, राजनीतिक पहलुओं का उपयोग और विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करने में • ऐतिहासिक और समकालीन स्रोतों और हड़प्पा पर एएसआई और इतिहासकारों के दृष्टिकोण का अन्वेषण और विवेचन करने में।
विषय -2 **राजा, किसान और नगर: प्रारंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं (C. 600 ईसा पूर्व-600 CE)** **व्यापक सिंहावलोकन:**	• उपमहाद्वीप के राजनीतिक और आर्थिक इतिहास के प्रमुख रुझानों से शिक्षार्थी को परिचित कराना। • शिलालेखीय विश्लेषण का परिचय देना और उन तरीकों का परिचय देना जिनसे उन्होंने	पुरातत्व संबंधी सभी साक्ष्य वीडियो कथन विधि कथन चर्चा आभासी दौरे से शिलालेखों की समझें	**इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • उपमहाद्वीप के राजनीतिक और आर्थिक इतिहास को समझने के लिए छठी शताब्दी ईसा पूर्व में प्रमुख प्रवृत्तियों की व्याख्या करने में।

मौर्य काल से गुप्त काल तक का राजनीतिक और आर्थिक इतिहास **खोज की कहानी:** शिलालेखों और लिपि की व्याख्या। राजनीतिक और आर्थिक इतिहास की समझ में बदलाव। **उद्धरण:** अशोक कालीन शिलालेखों और गुप्त काल भूमि अनुदान **चर्चा:** इतिहासकारों द्वारा शिलालेखों की व्याख्या।	राजनीतिक और आर्थिक प्रक्रियाओं की समझ को आकार दिया है।	प्रश्नावली रणनीति तुलनात्मक अध्ययन पुस्तकालय अध्ययन	• शिलालेखीय साक्ष्यों का विश्लेषण करने और उन तरीकों का विश्लेषण करने में जिनसे उन्होंने राजनीतिक और आर्थिक प्रक्रियाओं की समझ को आकार दिया है।
विषय -3 **बधुत्व, जाति और वर्ग प्रारंभिक समाज (सी. 600 ईसा पूर्व-600 सीई)** **व्यापक सिंहावलोकन: सामाजिक इतिहास: महाभारत का उपयोग करना।** जाति, वर्ग, बंधुत्व और लिंग सहित सामाजिक इतिहास के मुद्दे **खोज की कहानी:**	• शिक्षार्थियों को सामाजिक इतिहास के मुद्दों से परिचित कराना। • पाठ्य विश्लेषण की रणनीतियों और सामाजिक इतिहास के पुनर्निर्माण में उनके उपयोग का परिचय देना।	सामाजिक इतिहास में विषयों का वर्णन स्टोरी बोर्ड के माध्यम से प्राचीन भारत के शास्त्रों पर चर्चा . महाभारत युग में महिलाओं की स्थिति पर सामूहिक चर्चा प्रोजेक्ट लर्निंग स्टेशन	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • प्राचीन भारतीय शास्त्रों में दिए गए समाज के दृष्टिकोण को समझने के लिए सामाजिक मानदंडों का विश्लेषण करने में। • महाभारत के गतिशील उपागम को समझने के लिए इतिहासकारों द्वारा खोजे गए विभिन्न आयामों का परीक्षण करने में।

महाभारत का प्रसारण और प्रकाशन **उद्धरण:** महाभारत से, यह बताते हुए कि इसका उपयोग इतिहासकारों द्वारा कैसे किया गया है **चर्चा:** सामाजिक इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए अन्य स्रोत।			
विषय -4 **विचारक, विश्वास और इमारतें** **सांस्कृतिक विकास (C 600 ईसा पूर्व - 600 CE)** **व्यापक सिंहावलोकन**: **बौद्ध धर्म का इतिहास: सांची स्तूप** क) वैदिक धर्म, जैन धर्म, वैष्णववाद, शैववाद (पुराणिक हिंदू धर्म) के धार्मिक इतिहास की संक्षिप्त समीक्षा	• प्राचीन भारत में प्रमुख धार्मिक प्रगति की चर्चा करना। • धर्म के सिद्धांतों के पुनर्निर्माण में दृश्य विश्लेषण और उनके उपयोग की रणनीतियों का परिचय देना।	दृश्य प्रवाह चार्ट सारणीबद्ध स्तंभ चित्र चार्ट और मानचित्र पर चर्चा फ्लो चार्ट के माध्यम से प्राचीन भारत के धर्मो पर चर्चा चित्र चार्ट के माध्यम से मूर्तियों में कहानियों पर चर्चा	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • प्राचीन भारत में धार्मिक विकास को समझने के लिए विशिष्ट धार्मिक पहलुओं की तुलना करने • समृद्ध धार्मिक मूर्तिकला को स्पष्ट करने और उसमें छिपी कहानियों का अनुमान लगाने में।

ख) बौद्ध धर्म पर ध्यान देना। **खोज की कहानी:** सांची स्तूप। **उद्धरण:** सांची से मूर्तियों का पुनरुत्पादन। **चर्चा:** इतिहासकारों द्वारा मूर्तिकला की व्याख्या किए जाने के तरीके, बौद्ध धर्म के इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए अन्य स्रोत।			
भाग-11 **विषय -5** **यात्रियों की नजरिये से समाज की अवधारणायें (दसवीं से सत्रहवीं शताब्दी)** **व्यापक अवलोकन:** यात्री के वृतांत में दिखाई देने वाले सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की रूपरेखा। **उनके लेखन की**	• शिक्षार्थी को यात्रियों द्वारा वर्णित सामाजिक इतिहास की मुख्य विशेषताओं से परिचित कराना । • चर्चा करना कि यात्री के वृतांतों को सामाजिक इतिहास के स्रोतों के रूप में कैसे उपयोग किया जा सकता है।	यात्रियों द्वारा बताए गए सामाजिक इतिहास की विशेषताओं पर विचारों को और साझा करो यात्रीयों के नजरिये किस प्रकार सामाजिक इतिहास का स्रोत है। यात्रियों द्वारा प्रस्तुत विषयों की दृश्य कहानी	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • मध्यकाल में विभिन्न शासकों के कार्यकाल के दौरान सामाजिक राजनीतिक और आर्थिक जीवन को समझने के लिए विदेशी यात्रियों के वृतांतों की पहचान • भारतीय समाज के प्रति अल बिरूनी, इब्न बतूता और बर्नियर के परिप्रेक्ष्यों की तुलना करने और उनमें अंतर करने में ।

कहानी: इस बात की चर्चा कि उन्होंने कहाँ की यात्रा की, उन्होंने क्या लिखा और किसके लिए लिखा। **उद्धरण**: अल बिरूनी, इब्न बतूता, फ्रेंकोइस बर्नियर से। **चर्चा**: ये यात्रा विवरण हमें क्या बता सकते हैं और इतिहासकारों द्वारा उनकी व्याख्या कैसे की गई है।			
विषय -6 **भक्ति – सूफी परंपरायें: धार्मिक विश्वासों बदलाव और भक्ति ग्रंथ (आठवीं से अठारहवीं शताब्दी)** **व्यापक सिंहावलोकन**: क. इस अवधि के दौरान संतों के धार्मिक विकास की रूपरेखा। ख. भक्ति-सूफी के विचार और व्यवहार **संचरण की कहानी**:	• शिक्षार्थी को धार्मिक विकास से परिचित कराना। • इतिहास के स्रोतों के रूप में भक्ति साहित्य का विश्लेषण करने के तरीकों पर चर्चा करना।	भक्ति परम्परा की समयरेखा कथन दृश्य पर चर्चा वेन आरेख झांकी	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • मध्यकाल के दौरान धार्मिक विकास को समझने के लिए विभिन्न भक्ति और सूफी संतों के दर्शन का सारांश प्रस्तुत करने। • समाज में एकता, शांति, सद्भाव और भाईचारा स्थापित करने के लिए धार्मिक आंदोलन को समझने में।

भक्ति-सूफी रचनाओं को कैसे **उद्धरण**: चयनित भक्ति-सूफी कार्यों से अवतरण। **चर्चा**: इतिहासकारों द्वारा इनकी व्याख्या करने के तरीके।			
विषय -7 **एक साम्राज्य की राजधानी: विजयनगर (चौदहवीं से सोलहवीं शताब्दी)** **व्यापक अवलोकन: नई वास्तुकला: हम्पी** क. विजयनगर काल के दौरान नए भवनों की रूपरेखा- मंदिर, किले, सिंचाई की सुविधा। ख. वास्तुकला और राजनीतिक व्यवस्था के बीच संबंध **खोज की कहानी**: हम्पी की खोज कैसे	• अवधि के दौरान बनाए गए नए भवनों से शिक्षार्थी को परिचित कराना। • उन तरीकों पर चर्चा करना जिनसे इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए वास्तुकला का विश्लेषण किया जा सकता है	विजयनगर की वास्तुकला से जुड़े संग्रहालयों का भ्रमण करें पुरातात्विक स्थल की प्रकृति के बारे में जानने के पुरातात्विक महत्व कलाकृतियाँ, ऐतिहासिक स्मारक जिनका राजनीतिक, सामाजिक या धार्मिक महत्व। वृत्तचित्र वीडियो देखें और तस्वीरों को देखें समूह प्रस्तुति मॉडल बनाना	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • दक्कन भारत की मिश्रित संस्कृतियों की समृद्धि को समझने के लिए विजयनगर साम्राज्य के विशिष्ट वास्तुशिल्प योगदानों को वर्गीकृत करने • शहर के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन की व्याख्या के क्रम में विजयनगर पर विदेशी यात्रियों के वृतांतों का विश्लेषण करने में

हुई, इसका विवरण। **उद्धरण**: हम्पी में इमारतों के दृश्य **चर्चा**: तरीके जिससे इतिहासकारों ने इन संरचनाओं का विश्लेषण और व्याख्या की है।			
विषय -8 **किसान, जमींदार और राज्य: कृषि समाज और मुगल साम्राज्य (सोलहवीं-सत्रहवीं शताब्दी)** **व्यापक अवलोकन: आइन-ए-अकबरी** क. 16वीं और 17वीं शताब्दी में कृषि संबंधों की संरचना। ख. अवधि के दौरान परिवर्तन के स्वरूप । **खोज की कहानी**: आइन ए अकबरी के संकलन और अनुवाद का विवरण **उद्धरण**: आइन-ए-अकबरी से।	• कृषि संबंधों के विकास पर चर्चा करना। • चर्चा करना कि आधिकारिक दस्तावेजों को अन्य स्रोतों के साथ कैसे जोड़े ।	प्रश्नावली वेन डायग्राम फ़्लिप लर्निंग परियोजना विधि	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • मुगल काल में राज्य और कृषि के बीच संबंधों को समझने के लिए कृषि विकास के पहलुओं को समझने में। • सोलहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के दौरान हुए कृषि परिवर्तनों की तुलना करने और उनमें अंतर करने में 1

चर्चा: तरीके जिनसे इतिहासकारों ने इतिहास के पुनर्निर्माण के लिए ग्रंथों का उपयोग किया है।			
विषय 9 राजा और इतिहास मुगल दरबार	• **हटाया गया**		
भाग- III **विषय -10 उपनिवेशवाद और देहात : सरकारी अभिलेखों का अध्ययन व्यापक सिंहावलोकन : उपनिवेशवाद और ग्रामीण समाज: आधिकारिक रिपोर्टों से साक्ष्य** क) 18वीं शताब्दी के अंत में जमींदारों, किसानों और कारीगरों का जीवन ख) स्थायी बंदोबस्त, संथाल और पहाड़िया **सरकारी अभिलेखों**	• चर्चा करना कि उपनिवेशवाद ने जमींदारों, किसानों और कारीगरों को कैसे प्रभावित किया। • लोगों के जीवन को समझने के लिए आधिकारिक स्रोतों के उपयोग की समस्याओं और सीमाओं को समझना	टीएलपी विधि चर्चा वाद-विवाद पेपर प्रस्तुति पीपीटी	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • भारत में उपनिवेशवाद के आर्थिक पहलुओं को समझने के लिए अंग्रेजों द्वारा शुरू की गई राजस्व प्रणालियों की तुलना और अंतर करने में । • ब्रिटिश और भारतीयों के अलग-अलग हितों को समझने के लिए औपनिवेशिक सरकारी रिकॉर्ड और रिपोर्टों का विश्लेषण करने में।

की कहानी: ग्रामीण समाजों में सरकारी जांच क्यों की गई और किस प्रकार के अभिलेख और रिपोर्ट तैयार की गई, इसका विवरण 1 **उद्धरण**: पांचवीं रिपोर्ट से **चर्चा**: सरकारी अभिलेख क्या बताते हैं और क्या नहीं बताते हैं और इतिहासकारों द्वारा उनका उपयोग कैसे किया गया है।			
विषय -11 **विद्रोही और राज: 1857 का विद्रोह और उसका प्रतिनिधित्व व्यापक अवलोकन**: क. 1857-58 की घटनाएँ। ख. एकता की परिकल्पना ग. इन घटनाओं को कैसे रिकॉर्ड किया गया और सुनाया गया।	• चर्चा करना कि 1857 की घटनाओं की व्याख्या किस प्रकार की जा रही है। • चर्चा करना कि इतिहासकारों द्वारा दृश्य सामग्री का उपयोग कैसे किया जा सकता है।	टीएलपी विधि वीडियो चित्र चार्ट तस्वीर समस्या समाधान विधि।	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** 1857 के विद्रोहियों के क्षेत्र और प्रकृति का अनुमान लगाने के लिए उनकी योजना और समन्वय का आपस में संबंध स्थापित करने । विद्रोह के प्रसार को समझने के लिए उसकी गति का परीक्षण करने में । विश्लेषण करना कि कैसे विद्रोह ने भारतीयों के बीच एकता की परिकल्पना पैदा की।

फोकस: लखनऊ **उद्धरण:** 1857 की तस्वीरें। समकालीन विवरणों से अवतरण। **चर्चा:** जो कुछ घटित हुआ था उसके बारे में 1857 के तस्वीरों ने ब्रिटिश राय को कैसे आकार दिया।			राष्ट्रवादी और ब्रितानियों द्वारा चित्रित भावनाओं को समझने के लिए दृश्य चित्रों को पहचानने और उनकी व्याख्या करने में।
विषय 12 औपनिवेशिक शहर: शहरीकरण, योजना और वास्तुकला	• **हटाया गया**		
विषय -13 **महात्मा गांधी और राष्ट्रवादी आंदोलन: सविनय अवज्ञा और उसके आगे व्यापक सिंहावलोकन :** क. राष्ट्रवादी आंदोलन 1918-48 ख. गांधीवादी राजनीति और नेतृत्व की प्रकृति। **फोकस:** महात्मा गांधी और तीन आंदोलन और "बेहतरीन समय"	• शिक्षार्थी को राष्ट्रवादी आंदोलन और गांधीवादी नेतृत्व की प्रकृति के महत्वपूर्ण तत्वों से परिचित कराना। • चर्चा करना कि गांधी को विभिन्न समूहों द्वारा कैसे समझा जाता था। चर्चा करना कि इतिहासकारों को समाचार पत्रों डायरियों और पत्रों को एक ऐतिहासिक स्रोत के रूप में पढ़ने और व्याख्या करने की कैसे आवश्यकता है।	घटनाओं की समय रेखा विजुअल्स का कोलाज बनाना विद्रोह परियोजना विधि के बारे में जानकारी चर्चा	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • गांधीवादी नेतृत्व के अधीन राष्ट्रवादी आंदोलन के महत्वपूर्ण तत्वों और विचारों, व्यक्तियों और संस्थानों की प्रकृति से परस्पर संबंधित करने। • राष्ट्रवाद के लिए उनकी जन अपील को समझने के लिए गांधीजी के महत्वपूर्ण योगदान का विश्लेषण करने में । गांधीवादी आंदोलन के प्रति विभिन्न समुदायों की धारणाओं और योगदान का विश्लेषण करने में । • समाचार पत्रों, जीवनियों और आत्मकथाओं, डायरियों और पत्रों जैसे

उद्धरण: अंग्रेजी और भारतीय भाषा के समाचार पत्रों और अन्य समकालीन लेखन कला की रिपोर्ट। **चर्चा:** समाचार पत्र इतिहास का स्रोत कैसे हो सकते हैं।			ऐतिहासिक स्रोतों की व्याख्या करने के तरीकों का विश्लेषण करने में ।
विषय -14 **विभाजन को समझना राजनीति, स्मृति, अनुभव**	• **हटाया गया**		
विषय -15 **संविधान का निर्माण : एक नए युग की शुरुआत** **व्यापक सिंहावलोकन: संविधान का निर्माण एक सिंहावलोकन:** क. स्वतंत्रता और उसके बाद नया राष्ट्र राज्य। ख. संविधान का निर्माण **फोकस:** संविधान सभा की बहस	• चर्चा करना कि कैसे नए राष्ट्र राज्य के संस्थापक आदर्शों पर बहस हुई और उन्हें तैयार किया गया। • समझना कि इस तरह की बहसों और चर्चाओं को इतिहासकारों द्वारा कैसे पढ़ा जा सकता है।	संविधान सभा की भूमिका पर प्रश्नोत्तर संविधान सभा का कालक्रम समूहचर्चा वाद विवाद और चर्चा	**इस इकाई के पूरा होने पर छात्र सक्षम होंगे:** • पदाधिकारियों को समझने के लिए भारत के संविधान के निर्माण में संविधान सभा की भूमिका पर प्रकाश डालने में । • विश्लेषण करना कि संविधान सभा में महत्वपूर्ण मुद्दों पर बहस और चर्चा ने हमारे संविधान को कैसे आकार दिया ।

उद्धरण: चर्चा से **चर्चा**: ऐसे विचार-विमर्श से क्या प्रकट होता है और उनका विश्लेषण कैसे किया जा सकता है।			

नोट- यह एक विस्तृत सूची नहीं है। चिंतनशील शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के लिए, छात्रों के वास्तविक अधिगम के लिए पाठ्यक्रम -अंतरण के दौरान शिक्षकों द्वारा स्पष्ट अधिगम के उद्देश्यों और परिणामों को जोड़ा जा सकता है।

प्रश्न पत्र पैटर्न और ब्लूप्रिंट - बारहवीं कक्षा

Book	MCQ		SA		LA		Source Based		Map	Total	
	No of questions	mm	No of questions	mm	No of questions	mm	No of questions	mm		Theory	Internal
I	7	1	7	3	2	8	1	4	1	25	25
II III		1	7	3	2	8	1	4	05	05	
मानचित्र		1		3		8				80	20
परियोजना कार्य									1x5=5	100	marks
Total	7x 1=7		6x 3=18		3x 8= 24		3x4=12				

मानचित्र सूची		
पुस्तक 1		
1	पृष्ठ 2	**परिपक्व हड़प्पा स्थल:** • हड़प्पा, बनवाली, कालीबंगा, बालाकोट, राखीगढ़ी, धोलावीरा, नागेश्वर, लोथल, मोहनजोदड़ो, चन्हुदड़ो, कोटदीजी।
2	पृष्ठ 30	**महाजनपद और शहर:** • वज्जी, मगध, कोसल, कुरु, पांचाल, गांधार, अवंती, राजगीर, उज्जैन, तक्षशिला, वाराणसी।
3	पृष्ठ 33	**अशोक के शिलालेखों का वितरण:** • स्तंभ शिलालेख - सांची, टोपरा, मेरठ स्तंभ और कौशांबी। • चोल, चेरों और पांड्या साम्राज्य ।
4	पृष्ठ 43	**महत्वपूर्ण साम्राज्य और कस्बे:** • कुषाण, शक, सातवाहन, वाकाटक, गुप्त • शहर / कस्बे: मथुरा, कन्नौज, पुहार, बृघुकच्छ, श्रावस्ती,राजगीर, वैशाली, वाराणसी, विदिशा
5	पृष्ठ 95	**प्रमुख बौद्ध स्थल:** • नागार्जुनकोंडा, सांची, अमरावती, लुंबिनी, नासिक, भरहुत,बोधगया, अजंता।
पुस्तक 2		
6	पृष्ठ 174	• बीदर, गोलकुंडा, बीजापुर, विजयनगर, चंद्रगिरि, कांचीपुरम, मैसूर, तंजावुर, कोलार, तिरुनेलवेली
7	पृष्ठ 214	**बाबर, अकबर और औरंगजेब के अधीन क्षेत्र:** • दिल्ली, आगरा, पानीपत, अंबर, अजमेर, लाहौर, गोवा।
पुस्तक 3		
8	पृष्ठ 297	**1857 में ब्रिटिश नियंत्रण के तहत क्षेत्र/शहर:** पंजाब, सिंध, बॉम्बे, मद्रास फोर्ट सेंट डेविड, मसूलीपट्टम, बेरार, बंगाल, बिहार, उड़ीसा, अवध, सूरत, कलकत्ता,पटना, बनारस, इलाहाबाद और लखनऊ।
9	पृष्ठ 305	**1857 के विद्रोह के मुख्य केंद्र:** दिल्ली, मेरठ, झांसी, लखनऊ, कानपुर,आजमगढ़, कलकत्ता, बनारस, ग्वालियर, जबलपुर, आगरा, अवध।

10		**राष्ट्रीय आंदोलन के महत्वपूर्ण केंद्र:** चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद, बनारस, अमृतसर, चौरी चौरा, लाहौर, बारडोली, दांडी, बॉम्बे (भारत छोड़ो प्रस्ताव), कराची

इतिहास -027
कक्षा XII (2023-24)
परियोजना कार्य

परियोजना कार्य **अधिकतम अंक -20**

परिचय

इतिहास स्कूली शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है। यह अतीत का अध्ययन है, जो हमें अपने वर्तमान को समझने और हमारे भविष्य को आकार देने में मदद करता है। यह सभी संस्कृतियों में व्यापक और गहराई से ऐतिहासिक ज्ञान के अधिग्रहण और समझ को बढ़ावा देता है। वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में इतिहास का पाठ्यक्रम छात्रों को यह जानने में सक्षम बनाता है कि इतिहास एक महत्वपूर्ण अनुशासन है, जांच की एक प्रक्रिया है, अतीत के बारे में जानने का एक तरीका है न कि केवल तथ्यों का संग्रह। पाठ्यक्रम उन्हें उस प्रक्रिया को समझने में मदद करता है, जिसके माध्यम से एक इतिहासकार इतिहास लिखने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रमाण एकत्र करता है, चुनता है, जांचता है और इकट्ठा करता है।

ग्यारहवीं कक्षा में पाठ्यक्रम विश्व इतिहास में कुछ प्रमुख विषयों के आसपास व्यवस्थित किया गया है। बारहवीं कक्षा में फोकस प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय इतिहास के कुछ विषयों के विस्तृत अध्ययन पर शिफ्ट हो जाता है। सीबीएसई ने कक्षा में नियमित अध्ययन के एक भाग के रूप में 2013-14 में कक्षा XI और XII के लिए इतिहास में परियोजना कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है, क्योंकि परियोजना कार्य छात्रों को उच्च ज्ञानात्मक कोशल विकसित करने का अवसर देता है। यह छात्रों को पाठ्य पुस्तकों से परे एक जीवनकाल की ओर ले जाता है और उन्हें सामग्री का उल्लेख करने, जानकारी एकत्र करने, प्रासंगिक जानकारी प्राप्त करने के लिए इसका आगे विश्लेषण करने और यह तय करने के लिए एक मंच प्रदान करता है कि क्या रखा जाए और इसलिए समझना कि इतिहास का निर्माण कैसे किया जाता है।

उद्देश्य

परियोजना कार्य से छात्रों को मदद मिलेगी:

- विभिन्न स्रोतों से डेटा एकत्र करने, विविध दृष्टिकोणों की जांच करने और तार्किक नतीजे पर पहुंचने के लिए कौशल विकसित करना।
- ऐतिहासिक प्रमाण को समझने, विश्लेषण करने, व्याख्या करने, मूल्यांकन करने और ऐतिहासिक प्रमाण की सीमा को समझने के लिए कौशल विकसित करना।
- समन्वय, आत्म-निर्देशन और समय प्रबंधन के 21वीं सदी के प्रबंधकीय कौशल का विकास करना ।
- विविध संस्कृतियों, नस्लों, धर्मों और जीवन शैली पर कार्य करना सीखना।
- रचनावाद - अवलोकन और वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित एक सिद्धांत के माध्यम से सीखना ।
- अन्वेषण और अनुसंधान की भावना पैदा करना।
- विभिन्न तकनीकों का उपयोग करते हुए डेटा को सबसे उपयुक्त रूप में संप्रेषित करना।
- अंतःक्रिया और अन्वेषण के लिए अधिक अवसर प्रदान करना ।
- हमारे अतीत के संदर्भ में समकालीन मुद्दों को समझने के लिए।
- एक वैश्विक परिप्रेक्ष्य और एक अंतरराष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने के लिए।
- जो सुविज्ञ, बुद्धिमान और स्वतंत्र विकल्प बनाने में सक्षम देखभाल करने वाले, संवेदनशील व्यक्तियों के रूप में विकसित होने के लिए ।
- इतिहास विषय में स्थायी रुचि विकसित करने के लिए।

शिक्षकों के लिए दिशानिर्देश

यह अनुभाग शिक्षकों को इतिहास में परियोजनाओं को शुरू करने के लिए कुछ बुनियादी दिशानिर्देश प्रदान करता है। छात्रों को प्रोजेक्ट सौंपते समय बातचीत करना, सहयोग देना, मार्गदर्शन करना, सुविधा और प्रोत्साहन देना बहुत आवश्यक है।

- शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि परियोजना कार्य छात्रों को व्यक्तिगत रूप से / समूह में सौंपा गया है और विषय देने, मसौदा समीक्षा से लेकर अंतिम

रूप देने तक विभिन्न चरणों में चर्चा की जाती है।

- छात्रों को प्रासंगिक सामग्री उपलब्ध कराने, वेबसाइटों का सुझाव देने, अभिलेखागार, ऐतिहासिक स्थलों आदि के लिए आवश्यक अनुमति प्राप्त करने के मामले में सुविधा प्रदान की जानी चाहिए।
- ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा में परियोजना कार्य अप्रैल से नवंबर तक उपयुक्त समय पर होना चाहिए ताकि छात्र अंतिम परीक्षा की तैयारी कर सकें। शिक्षकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि छात्र मूल कार्य प्रस्तुत करें। परियोजना रिपोर्ट केवल **हस्तलिखित** होनी चाहिए। (विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण-अनुकूल सामग्री का उपयोग किया जा सकता है)

निम्नलिखित कदम सुझाए जाते हैं:

1. शिक्षक को 15-20 परियोजनाओं की एक सूची डिजाईन और तैयार करनी चाहिए और छात्र को उसकी रुचि के अनुसार एक परियोजना चुनने का विकल्प देना चाहिए।
2. परियोजना व्यक्तिगत रूप से/समूहों में की जानी चाहिए।
3. पुनरावृत्ति से बचने के लिए कक्षा में छात्रों के साथ चर्चा के बाद विषय आवंटित किया जाना चाहिए और फिर मसौदा/अंतिम परियोजना कार्य जमा करने के प्रत्येक चरण में चर्चा की जानी चाहिए।
4. शिक्षक को एक सहायक की भूमिका निभानी चाहिए और परियोजना के पूरा होने की प्रक्रिया का बारीकी से पर्यवेक्षण करना चाहिए, और विषय सामग्री को समृद्ध करने के लिए आवश्यक इनपुट, संसाधन आदि प्रदान करके बच्चों का मार्गदर्शन करना चाहिए।
5. परियोजना कार्य को शिक्षार्थियों में ज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा डोमेन को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें स्व-मूल्यांकन और सहकर्मी मूल्यांकन, और परियोजना आधारित और अन्वेषण-आधारित अधिगम में बच्चे की प्रगति शामिल होगी। शिक्षक मूल्यांकन के साथ कला एकीकृत गतिविधियाँ, प्रयोग, मॉडल, क्विज़, रोल प्ले, समूह कार्य, पोर्टफोलियो आदि। (एनईपी-2020) परियोजना कार्य पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन/ प्रदर्शनी/ स्किट/ एल्बम/ फाइल्स/ गीत और नृत्य या कल्चर शो/ स्टोरी टेलिंग/ डिबेट/ पैनल डिस्कशन, पेपर प्रेजेंटेशन और जो भी दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त हो, के रूप में समाप्त

किया जा सकता है।

6. छात्र शहर के अभिलेखागार में उपलब्ध प्राथमिक स्रोतों का उपयोग कर सकते हैं, प्राथमिक स्रोतों में समाचार पत्र की कटिंग, फोटोग्राफ, फिल्म फुटेज और रिकॉर्ड किए गए लिखित/भाषण भी शामिल हो सकते हैं। उचित प्रमाणीकरण के बाद दुसरे स्रोतों का भी उपयोग किया जा सकता है।
7. कक्षा XII में बोर्ड द्वारा नियुक्त बाहरी परीक्षक और कक्षा XI में आंतरिक द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।

नोट: परियोजना रिपोर्ट को, सीबीएसई द्वारा जांच के लिए, अंतिम परिणाम घोषित होने तक स्कूल द्वारा संरक्षित किया जाना है।

बारहवीं कक्षा की परियोजनाओं के लिए कुछ सुझावात्मक विषय

1. सिंधु घाटी सभ्यता-पुरातात्विक उत्खनन और नए परिप्रेक्ष्य
2. मौर्य साम्राज्य का इतिहास और विरासत
3. "महाभारत" - भारत का महान महाकाव्य
4. वैदिक काल का इतिहास और संस्कृति
5. बुद्ध चरित
6. जैन धर्म का एक व्यापक इतिहास
7. भक्ति आंदोलन- बहु व्याख्याएं और टिप्पणियां।
8. "सूफीवाद के रहस्यमय आयाम"
9. गांधीवादी विचारों की वैश्विक विरासत
10. विजयनगर साम्राज्य की स्थापत्य संस्कृति
11. मुगल ग्रामीण समाज में महिलाओं का जीवन
12. भारत में अंग्रेजों द्वारा शुरू की गई भू-राजस्व प्रणालियों का तुलनात्मक विश्लेषण

13. 1857 का विद्रोह- कारण; योजना और समन्वय; नेतृत्व, एकता की परिकल्पना

14. गुरु नानक देव के दर्शन

15. कबीर की परिकल्पना

16. भारतीय संविधान में एक अंतर्दृष्टि

(संबंधित विषयों के साथ छात्रों के अधिगम को बढ़ाने में परियोजनाएं एक अनिवार्य घटक हैं। शोध परियोजना में, छात्र पाठ्यपुस्तक से परे जा सकते हैं और ज्ञान की दुनिया का पता लगा सकते हैं। वे अंतःस्थापित विषयों के तहत परिकल्पना कर सकते हैं। शीर्षकों के प्रकार एक महत्वपूर्ण पहलू हैं और अवधारणा की स्पष्ट समझ और मूल्यांकन के लिए कक्षा में ही चर्चा की जानी चाहिए।)

नोट: कृपया संपूर्ण दिशा-निर्देशों के लिए परिपत्र संख्या Acad.16/2013 दिनांक 17.04.2013 देखें

नोट: कृपया कक्षा XI और XII के लिए परियोजना कार्य के बारे में नीचे दिए गए दिशानिर्देशों को देखिये :-

इतिहास परियोजना कार्य के लिए मार्गदर्शन: 20 अंक
विद्यमान योजना के अनुसार, पूरे सत्र में एक परियोजना

1. परियोजना के संचालन के कदम:

निम्नलिखित पंक्तियों परकिरी किया जाना है :

1. शीर्षक/ विषय चुनें
2. अध्ययन की आवश्यकता,अध्ययन का उद्देश्य
3. परिकल्पना
4. सामग्री - समयरेखा, अवधारणा मानचित्र,मानचित्र,चित्र इत्यादि(सामग्री/डेटा वर्तमान सामग्री/डेटा का संगठन)
5. निष्कर्ष के लिए सामग्री/ डेटा का विश्लेषण

6. प्रासंगिक निष्कर्ष निकालना
7. ग्रंथ सूची

2. परियोजना कार्य के लिए अपेक्षित जांच सूची:

1. विषय/ शीर्षक का परिचय
2. कारणों, घटनाओं, परिणामों और/या उपचारों की पहचान करना
3. विभिन्न हितधारक और उनमें से प्रत्येक पर प्रभाव
4. पहचान की गई स्थितियों या मुद्दों के फायदे और नुकसान
5. शोध के पाठ्यक्रम में सुझाई गई रणनीतियों के अल्पकालिक और दीर्घकालिक निहितार्थ
6. शोध कार्य के लिए और परियोजना फाइल में प्रस्तुत करने के लिए उपयोग किए गए डेटा की वैधता, विश्वसनीयता, उपयुक्तता और प्रासंगिकता
7. प्रस्तुति और लेखन जो परियोजना फ़ाइल में संक्षिप्त और सुसंगत है
8. फ़ुटनोट, स्रोत अनुभाग, ग्रंथ सूची आदि में फ़ाइल में संदर्भित सामग्री का उद्धरण।

3. परियोजना कार्य का आकलन:

1. परियोजना कार्य में मोटे तौर पर निम्नलिखित चरण होते हैं: सारांश/प्रारंभ, डेटा संग्रह, डेटा विश्लेषण और व्याख्या, निष्कर्ष।
2. छात्रों द्वारा कवर किए जाने वाले परियोजना कार्य के पहलुओं का आकलन शैक्षणिक वर्ष के दौरान किया जा सकता है।

परियोजना कार्य के लिए निर्धारित 20 अंकों को निम्नलिखित तरीके से विभाजित किया जा सकता है:

परियोजना कार्य : 20 अंक

शिक्षक निम्नलिखित तरीके से परियोजना कार्य की प्रगति का आकलन करेगा:

माह	आवधिक कार्य	मूल्यांकन टिप्पणी	अंक
अप्रैल–जुलाई	परियोजना दिशानिर्देश बारे में अनुदेश, पृष्ठभूमि पढ़ना विषय-वस्तु पर चर्चा और अंतिम विषय का चयन, प्रारंभ/ सारांश	परिचय, प्रयोजन/आवश्यकता का विवरण और अध्ययन के उद्देश्य, परिकल्पना/शोध प्रश्न, साहित्य की समीक्षा, साक्ष्य की प्रस्तुति, कार्यप्रणाली, प्रश्नावली, डेटा/आंकड़ा	6
अगस्त–अक्टूबर	योजना और संगठन:एक कार्य योजना बनाना, व्यवहार्यता, या आधारभूत अध्ययन, कार्य योजना को अद्यतन/ संशोधित करना, डेटा संग्रह	विषय का महत्व और प्रासंगिकता; शोध करने के दौरान आने वाली चुनौतियाँ।	5
नवंबर – जनवरी	सामग्री/ डेटा विश्लेषण और व्याख्या। निष्कर्ष, सीमाएं, सुझाव, ग्रंथ सूची, अनुलग्नक और परियोजना की समग्र प्रस्तुति	सामग्री विश्लेषण और वर्तमान परिदृश्य में इसकी प्रासंगिकता। निष्कर्ष, सीमाएं, ग्रंथ सूची, अनुलग्नक और समग्र प्रस्तुति।	5
जनवरी/ फ़रवरी	अंतिम मूल्यांकन और मौखिक परीक्षा आंतरिक और बाहरी दोनों परीक्षकों द्वारा	परियोजना के आधार पर बाहरी/आंतरिक मौखिक परीक्षा	4
		कुल	**20**

4. मौखिक परीक्षा

1. निर्धारित अवधि के अंत में, प्रत्येक शिक्षार्थी बाहरी और आंतरिक परीक्षक को प्रोजेक्ट फाइल में अनुसंधान कार्य प्रस्तुत करेगा।
2. प्रश्न शिक्षार्थी के अनुसंधान कार्य/ प्रोजेक्ट फाइल से पूछे जाने चाहिए।
3. आंतरिक परीक्षक को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षार्थी द्वारा प्रस्तुत किया गया अध्ययन उसका अपना मूल कार्य है।किसी भी संदेह के मामले में, प्रामाणिकता की जांच और सत्यापन किया जाना चाहिए।